प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषि विज्ञान केन्द्रों की संयुक्त स्टाल में भी सतत कृषि पर जोर

विश्वविद्यालय के 09 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा एक संयुक्त स्टाल लगाया है। यह स्टाल केन्द्रों द्वारा राज्य में कृषि के सतत् व सर्वांगीण विकास की गाथा की झलक प्रस्तुत करता है। स्टाल में अजोला उत्पादन इकाई, मधुमक्खी पालन इकाई, गैनोडर्मा मशरूम उत्पादन के माध्यम से उच्च संरक्षित कृषि उत्पाद के आयाम दर्शायें गए हैं। उच्च गुणवत्ता एवं अधिक बाजार भाव वाली बेमौसमी सब्जियों तथा उच्च गुणवत्ता वाले मुर्गी की उन्नत नस्ल के अण्डों को भी किसान के आय दोगुनी करने के उद्देश्य से रखा गया है। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण की विधि से निर्मित जैम, आचार, प्रसंस्करित खाद्य उत्पाद व हथकरघा एवं मोमबत्ती को पोषण सुरक्षा व पारिवारिक आयोपार्जन को दर्शाने के लिए रखा गया है। स्टॉल में उत्तराखण्ड राज्य की कृषि विविधता को दिखाने के लिए भंगीरा, अंजीर, गेठी, गड़ेरी, माल्टा, पहाड़ी नींबू, अलसी, रामदाना, लाल धान, राजमा, पहाड़ी कद्दू आदि के लाइव सैम्पल रखे गए हैं। इसके साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभाव व उपलब्धियों को दर्शाता एक चलचित्र भी केन्द्र के स्टाल में चलाया जा रहा है। स्टाल में दोपहर 12:00 से 1:00 बजे एवं अपराह्न 4:00 से 5:00 बजे तक विश्वविद्यालय वैज्ञानिकों द्वारा किसानों की कृषि पशुपालन, मौनपालन, मशरूम उत्पादन, बेमौसमी सब्जी उत्पादन इत्यादि विषयों पर आधारित समस्याओं का निदान भी किया जा रहा है।